

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : अप्रैल – २०२६

सत्र – २

विषय : आधुनिक गद्य : नाटक, निबंध, रेखाचित्र एवं संस्मरण (HDS - 201)

दि.: २५/०४/२०२६

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।
- प्र. २ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में चित्रित पुरुष पात्रों की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
- प्र. ३ 'प्रिया नीलकंठी' निबंध संग्रह में संकलित निबंधों की विशेषताओं को विशद कीजिए।
- प्र. ४ 'प्रिया नीलकंठी' निबंध संग्रह के निबंधों में चित्रित मानवतावादी चिंतन एवं लोक परंपराओं को सोदाहरण विशद कीजिए।
- प्र. ५ हिंदी रेखाचित्र के विकास क्रम को स्पष्ट करते हुए, उसमें 'अतीत के चलचित्र' संकलन के महत्त्व को उजागर कीजिए।
- प्र. ६ महादेवी वर्मा ने 'अतीत के चलचित्र' में स्त्री चरित्रों को किस प्रकार रेखांकित किया है?
- प्र. ७ 'अकाल पुरुष- गांधी' पुस्तक में समाविष्ट अध्यायों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ८ गांधीजी के सत्य, अहिंसा और सेवा के संदर्भ में व्यक्त विचारों की समीक्षा कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।
१. क्षमा हो महाराज! दूत तो अवध्य होता है- इसलिए उसका संदेश सुनना ही पड़ा।
 २. जब-जब मैं शमी के बारे में सोचता हूँ तो लगता है कि यह आत्मतेज धारण करनेवाली हमारी जातीय संस्कृति का प्रतीक है।
 ३. कला तुम्हारा पैतृक अधिकार नहीं, कल्पना तुम्हारी क्रीतदासी नहीं।
 ४. औरों के लिए सोचना करने से बचना होता है, गांधीजी के लिए सोचना ही करना है।
- प्र. १० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
१. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समस्याएँ
 २. ललित निबंध की अवधारणा
 ३. अलोपी
 ४. सर्वोदय की संकल्पना।